SA-01

June - Examination 2026
B.A. (Part-I) Examination
SANSKRIT
Natak, Katha-Sahitya, Chhand Evam Alankar
नाटक, कथा–साहित्य, छन्द एवं अलंकार
Paper : SA-01

[*Time: **3** Hours*] [*Maximum Marks: **70***]

निर्देश :– यह प्रश्न–पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–'अ' **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

1. (i) नाटक में कितने अंक होने चाहिए?
   (ii) स्वप्नवासवदत्तम् में विदूषक का नाम क्या है?
   (iii) पद्मावती कौन थी?
   (iv) स्वप्नवासवदत्तम् के रचयिता कौन हैं?
   (v) चित्रग्रीव किस पक्षी का नाम है?
   (vi) वंशस्थ छन्द का लक्षण लिखिए।
   (vii) उपमा अलंकार का लक्षण लिखिए।

खण्ड–'ब' **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **7** अंक का है।

2. अधोलिखित में से किसी एक पद्य की हिन्दी भाषा में सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

पद्मावती नरपतेर्महिषी भवित्री,
दृष्टा विपत्तिरथ यैः प्रथमं प्रदिष्टा।
तत्प्रत्ययात् कृतमिदं नहि सिद्धवाक्या–
न्युत्क्रम्य गच्छति विधिः सुपरीक्षितानि।।

अथवा

ऋज्वायतां च विरलां च नतोन्नतां च,
सप्तर्षिवंशकुटिलां च विवर्तनेषु।
निर्मुच्यमानभुजगोदरनिर्मलस्य,
सीमामिवाम्बरतलस्य विभज्यमानाम्।।

3. संस्कृत नाटकों की विशेषता लिखिए।
4. स्वप्नवासवदत्तम् के आधार पर भास की नाट्यशैली की समीक्षा कीजिए।
5. उदयन का चरित्र–चित्रण कीजिए।
6. नीतिकथा–साहित्य के विकासक्रम पर लेख लिखिए।
7. अधोलिखित में से किन्हीं दो सूक्तियों की हिन्दी भाषा में व्याख्या कीजिए –
   (क) अनिर्ज्ञातानि दैवतान्यप्यवधूयन्ते।
   (ख) कर्तारः सुलभा लोके विज्ञातारस्तु दुर्लभाः।
   (ग) धन्या खलु चक्रवाकवधूः, यान्योन्यविरहिता न जीवति।
   (घ) साक्षिमन्न्यासो निर्यातयितव्यः।
8. अधोलिखित में से किन्हीं दो छन्दों के लक्षण और उदाहरण लिखिए –
   (क) आर्या
   (ख) इन्द्रवज्रा
   (ग) मालिनी
   (घ) शार्दूलविक्रीडितम्
9. अधोलिखित में से किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण और उदाहरण लिखिए –
   (क) यमकम्
   (ख) रूपकम्
   (ग) सन्देहः
   (घ) तुल्ययोगिता

खण्ड–'स' **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :– **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने प्रत्येक उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न **14** अंक का है।

10. अधोलिखित में से किन्हीं दो पद्यों की हिन्दी भाषा में सप्रसंग व्याख्या कीजिए –
   (क) न संशयमनारुह्य नरो भद्राणि पश्यति।
   संशयं पुनरारुह्य यदि जीवति पश्यति।।
   (ख) लोभात्क्रोधः प्रभवति लोभात्कामः प्रजायते।
   लोभान्मोहश्च नाशश्च लोभः पापस्य कारणम्।।
   (ग) दुर्जनेन समं सख्यं प्रीतिं चापि न कारयेत्।
   उष्णो दहति चांगारः शीतः कृष्णायते करम्।।
   (घ) सुखमापतितं सेव्यं दुःखमापतितं तथा।
   चक्रवत् परिवर्तन्ते दुःखानि च सुखानि च।।
11. हितोपदेश की वर्तमान प्रासंगिकता का विवेचन कीजिए।
12. मृग, काक तथा क्षुद्र बुद्धि श्रृगाल की कथा का सारांश लिखते हुए कथा से प्राप्त होने वाली शिक्षा का उल्लेख कीजिए।
13. स्वप्नवासवदत्तम् के नामकरण की सार्थकता स्पष्ट करते हुए संक्षेप में कथानक लिखिए।
